Q1 हरित क्रान्ति (Green Revolution In India) क्या है? इसके सकारात्मक और नकारात्मक परिणाम

Ans- देश मे चल रहे खाद्य संकट को दूर करने के लिए सरकार ने कृषि की एक नई रणनीति अपनाई। सरकार ने उन क्षेत्र पर ज्यादा संसाधन लगाने का निर्णय किया जहां सिंचाई सुविधा उपलब्ध है और किसान जहां समृद्ध हो। सरकार ने उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, कीटनाशक और बेहतर सिंचाई सुविधा बड़े अनुदानित मूल्य पर मुहैया कराना शुरू किया। इसे को हरित क्रान्ति कहा जाता है।

सकारात्मक प्रभाव

(i) हरित क्रान्ति से गेहूं की पैदावार बढ़ी तथा देश मे खाद्यान्न की उपलब्धता मे बढ़ोतरी हुई।
(ii) हरित क्रान्ति से धनी किसानो और बड़े भू-स्वामियो को ~~बीच अंतर~~ सर्वाधिक फायदा हुआ। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाके कृषि की दृष्टि से सम्पन्न हो गये।

नकारात्मक प्रभाव

(i) इस क्रान्ति के कारण किसानो और भू-स्वामियो के बीच अंतर बढ़। इससे कुछ इलाके तो समृद्ध हो गए। लेकिन बाकी इलाके खेती की दृष्टि से पिछड़ गये।
(ii) हरित क्रान्ति के कारण कृषि के मध्यम श्रेणी के भू- ~~स्वामित्व~~ स्वामित्व वाले किसानो का उदय हुआ।

Q2 योजना आयोग के किन्हीं चार कार्य बताइए।

Ans- (i) केन्द्र और राज्यो की सरकारों को विकास सुनिश्चित करने के लिए सिफारिश करना
(ii) राष्ट्र के भौतिक स्रोतो, मानव संसाधनो और पूंजी का अनुमान लगाना
(iii) योजनाएँ बनाना तथा योजनाओ को लागु तथा ~~क्रियान्वित~~ ~~आर्थिक विकास~~ प्रगति का समय समय पर मुल्यांकन करना
(iv) प्रगति की प्राथमिकता को निर्धारित करना।

Q(5) श्वेत क्रान्ति से क्या तात्पर्य है।

Ans. श्वेत क्रान्ति का अर्थ दुग्ध उत्पादन में क्रान्ति से है। 1970 में शुरू हुई। 'Milk of India मिल्क ऑफ इंडिया' नाम से मशहूर वर्गीज कुरियन ने गुजरात सहकारी दुग्ध एवं विपणन परिसंघ की विकास में कल्याण में केन्द्रीय भूमिका निभायी और अमूल की शुरुआत की।

गुजरात का एक शहर है आनंद सहकारी दुग्ध आंदोलन अमूल इसी शहर में स्थापित है इससे गुजरात में 25 लाख दुग्ध उत्पादक जुड़े हैं। ग्रामीण विकास और गरीबी-उन्मूलन के लिहाज से अमूल नाम का यह सहकारी आंदोलन अपने आप में एक अनूठा और कारगर मॉडल है। मॉडल के विस्तार को श्वेत क्रान्ति के नाम से जाना जाता है।